नर्सरी निर्देश-08

संचालनालय उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण

6 वी मंजिल, विन्ध्याचल भवन,मध्य प्रदेश भोपाल,
दूरभाष क्रमांक-0755-2578491
ई-मेल nursery.c1@mp.gov.in

क्रमांक/उ./नर्सरी/नर्सरी-निर्देश/407/2023-24/ 6845 **भोपाल, दिनांक-** 27.10.202

प्रति,

उप/सहायक संचालक उद्यान,
जिला/प्रक्षेत्र/प्रशिक्षण केन्द्र .....समस्त।

विषय:- नर्सरी का उद्यानिकी वार्षिक कैलेण्डर अंतर्गत माह अक्टूवर से दिसंबर तक मासिक कार्य का विवरण भेजने बाबत।

---00---

विषय में लेख है कि उद्यानिकी विभाग के नर्सरियों के सुदृणीकरण/सुधार के संबंध में नर्सरियों के कुशल प्रबंधन एवं गुणवत्ता युक्त उत्पादन के लिये वार्षिक कैलेण्डर तैयार कर आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र क्र.8584 12.11.2022 को प्रेषित किया गया है। पुन: उद्यानिकी कैलेण्डर माह अक्टूबर से दिसंबर तक मासिक कार्य का विवरण संलग्न है। इस कैलेण्डर की एक छायाप्रति नर्सरी कार्यालय में प्रदर्शित भी किया जावे। तद्नुसार नर्सरियों का प्रबंधन किया जावे।

उपरोक्त निर्देशों का पालन जिले में उपलब्ध आवंटन के अनुरूप किया जावे, इस हेतु प्रथक से आवंटन प्रदाय नहीं किया जावेगा।

संलग्न - उपरोक्तानुसार

संचालक
उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण
म.प्र. भोपाल

क्रमांक/उ./नर्सरी/नर्सरी-निर्देश/407/2023-24/ 6846 **भोपाल, दिनांक-** 27.10.202

प्रतिलिपि:- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अपर मुख्य सचिव, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
2. कलेक्टर जिला.....समस्त।
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत.....समस्त।
4. संयुक्त संचालक उद्यान संभाग .....समस्त।

सहायक संचालक उद्यान
उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण
म.प्र. भोपाल

नर्सरी एवं फलोद्यानों में किये जाने वाले अक्टूबर माह के कार्य

सामान्य मौसमी परिस्थितियां :-

- तापमान 31.1-17.2 डिग्री से.ग्रे.
- वर्षा 48.4-2.2
- आर्द्रता प्रतिशत 60-42
- वायुगति 9-10 कि.मी.प्रति घंटा

सामान्य कार्य :-

- समस्त फल पौधों एवं अन्य पौधों के नीचे निदाई, गुड़ाई, थाला निर्माण करें।
- नर्सरी/प्रक्षेत्र की साफ सफाई एवं आवश्यकता होने पर सिंचाई करें।
- मूलवृन्त से निकलने वाली सभी शाखाओं की छटाई एवं वाटर सकर्स काट दें।
- नव रोपित फलोद्यानों में मृत पौधों के स्थान पर तत्काल गैप फिलिंग करें।
- नये पौधों में जमीन से 1 मीटर तक पौधों में बगली शाखाओं को न निकलने दें। पौधों को सीधा बढ़ने दें।
- फलोद्यान एवं अन्य पौधों पर कीट-बीमारी होने पर तत्काल नियंत्रण के उपाय करें।
- आम/नीबू/अमरूद की गोमेसिस एवं एन्थ्रेक्सनोज की रोकथाम हेतु पौधों के तनों के चारों ओर बोर्डोपेस्ट (भूमि से लगभग एक मीटर ऊंचाई तक) लगाये तथा बोर्डो मिश्रण का घोल बनाकर छिड़काव करें।
- गमोसीस एवं एथ्रोक्नोस की रोकथाम हेतु जैविक फंफुदनाशी ट्राईकोडर्मा का उपयोग करें।
- आम, अमरूद के पौधें की सिंचाई करें तथा कटाई-छटाई करें।
- 2 वर्ष से अधिक बड़े पौधों की कटाई-छटाई का कार्य करें।
- मातृवृक्षों में छत्र प्रबंधन कार्य करें।
- मातृ वृक्षों टॉप वर्किंग हेतु ग्राफ्टिंग कार्य करें।
- नर्सरी में निंदाई एवं सिंचाई कार्य करें।
- आम रूट स्टॉक में ग्राफ्टिंग कार्य करें।
- बीजू/रूटस्टॉक पौध उत्पादन हेतु बीज बुआई कार्य करें।
- मातृ वृक्षों पर बोर्डोपेस्टिंग कार्य करें।
- नींबू वर्गीय पौधों में कैंकर रोग से ग्रसित पत्तियों को निकालकर नष्ट करें।
- बटन मशरूम की खेती हेतु पोषक माध्यम (कम्पोस्ट) तैयार करें।
- आलू, मूली, गाजर, मैथी, पालक, धनिया, लहसुन, प्याज इत्यादि की अगेती बोनी करें।

नोट:- 1. स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कार्यो में आवश्यकता अनुसार परिवर्तन कर सकते है।

2. पूर्व माह के लंबित कार्यो को प्राथमिकता से पूर्ण करें।

नर्सरी एवं फलोद्यानों में किये जाने वाले नवंबर माह के कार्य

सामान्य मौसमी परिस्थितियां :-

- तापमान 28.8-12.1 डिग्री से.ग्रे.
- वर्षा 22.1-1.1 आर्द्रता
- प्रतिशत 54-32
- वायुगति 7.5 कि.मी.प्रति घंटा)

- समस्त फल पौधों एवं अन्य पौधों के नीचे निदाई, गुड़ाई, थाला निर्माण करें।
- नर्सरी/प्रक्षेत्र की साफ सफाई एवं आवश्यकता होने पर सिंचाई करें।
- मूलवृन्त से निकलने वाली सभी शाखाओं की छटाई एवं वाटर सकर्स काट दें।
- नव रोपित फलोद्यानों में मृत पौधों के स्थान पर तत्काल गैप फिलिंग करें।
- जमीन से 1 मीटर ऊचांई तक की सभी शाखाओं को निकालने दें।
- फलोद्यान एवं अन्य पौधों पर कीट-बीमारी होने पर तत्काल नियंत्रण के उपाय करें।
- आम, नीबू अमरूद में गमोसीस एवं एथ्रोक्नोस की रोकथाम हेतु जैविक फंफुदनाशी एवं ट्राईकोडर्मा का उपयोग करें।
- आम के बगीचों में सिंचाई का कार्य बन्द करें।
- फलदार पौधों की वृद्धि हेतु जैविक खादों का उपयोग कर दें।
- फलदार पौधों के चारो ओर थाले बनाने, सफाई का कार्य करें।
- पौध के मूलवृन्त (तने) से निकलने वाली शाखाओं को काट दें।
- खरपतवार नियंत्रण तथा जाड़े से बचाने हेतु प्रारंभिक तैयारियां करें।
- अमरूद, पपीता, नीबू की तुड़ाई करें।
- बेर में छोटे-छोटे फल बनने शुरू हो जाते है, अत: अनुशंसित उर्वरक दें।
- मातृवृक्षों में बोडोपेस्ट करना।
- नीबू मातृ वृक्षों की कटाई छटाई कार्य।
- नर्सरियों में निदाई- गुड़ाई एवं सिंचाई कार्य।
- आम नर्सरी में छटाई एवं कीट नियंत्रण कार्य ।
- जम्बेरी, रंगपुर आदि में बंडिग कार्य।
- बैंगन पौध की रोपाई करें।
- टमाटर की फसल में निंदाई-गुड़ाई करें।
- प्याज की भीमा शक्ति एवं एग्रीफाऊंड लाईट-रैड किस्म की रोपाई करें।

अन्य

- गाजर, गोभी, मूली, शलजम, मटर व लहसुन का मिश्रित अचार बनायें।

नोट:- 1. स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कार्यो में आवश्यकता अनुसार परिवर्तन कर सकते है।

2. पूर्व माह के लंबित कार्यो को प्राथमिकता से पूर्ण करें।

नर्सरी एवं फलोद्यानों में किये जाने वाले दिसंबर माह के कार्य

सामान्य मौसमी परिस्थितियां :-

- तापमान 26.7-9.9 डिग्री से.ग्रे.
- वर्षा 2.7-0.4
- आर्द्रता प्रतिशत 57-32
- वायुगति 7.1 कि.मी.प्रति घंटा

- समस्त फल पौधों एवं अन्य पौधों के नीचे निदाई, गुड़ाई, थाला निर्माण करें।
- नर्सरी/प्रक्षेत्र की साफ सफाई एवं आवश्यकता होने पर सिंचाई करें।
- मूलवृन्त से निकलने वाली सभी शाखाओं की छटाई एवं वाटर सकर्स काट दें।
- नव रोपित फलोद्यानों में मृत पौधों के स्थान पर तत्काल गैप फिलिंग करें।
- जमीन से 1 मीटर ऊचांई तक की सभी शाखाओं को निकालने दें।
- फलोद्यान एवं अन्य पौधों पर कीट-बीमारी होने पर तत्काल नियंत्रण के उपाय करें।
- आम, नीबू अमरूद में गमोसीस एवं एथ्रोक्नोस की रोकथाम हेतु जैविक फंफुदनाशी एवं ट्राईकोडर्मा का उपयोग करें।
- फलदार पौधों में गोमेसिस एवं एन्थ्रोक्नोज की रोकथाम हेतु बोर्डोपेस्ट बनाकर पौधों के तने के चारों ओर लगाये गये बोर्डो मिक्चर का घोल बनाकर छिड़काव करें।
- अमरूद पपीता एवं नीबू के फलों की तुड़ाई का कार्य करें।
- फलादार पौधों को पाले से बचाने हेतु सिंचाई करें।
- अमरूद की फसल तुड़ाई के पश्चात सूखी टहनियों की छटाई एवं आवश्यक कटाई-छटाई का कार्य करें।
- फलदार पौधों में मूलवृन्त (मुख्य तने से) निकलने वाली शाखाओं को काट दें।
- पाला पड़ने की संभावना में इससे बचने के प्रयास करें। बागानों में सिंचाई के साथ-साथ घांस-फूस अथवा फसल अवशेष या पॉलिथीन से नये छोटे पौधों को ढकें। सल्फर युक्त रसायन जैसे-डाईमिथाईल सल्फोऑक्साइड का 0.2 प्रतिशत अथवा 0.1 प्रतिशत थायोयूरिया का छिड़काव करें।
- आम व अन्य नर्सरियों की निंदाई गुडाई एवं सिंचाई कार्य, उर्वरक एवं खादय डालना आदि।
- रोग एवं कीट नियंत्रण।
- पाला नियंत्रण कार्य।
- मूली के बीज की बुवाई तथा टमाटर की गर्मी की फसल हेतु रोपणी तैयार करें।
- प्याज की तैयार पौधें की रोपाई करें। रोपाई से पूर्व आधार रूप में खादय एवं अनुशंसित उर्वरकों का उपयोग करें।
- धनिया फसल में प्रथम निंदाई 30-35 दिन बाद करें।
- सब्जियों एवं मसाला फसलों के पौधों को पाले से बचाने के लिये हल्की सिंचाई करें एवं रात के समय फसल अवशेष जलाकर धुआं करें।
- देशी गुलाब में बडिंग कार्य करें। गुलाब की कलम लगाने का कार्य पूर्ण कर लें।
- चैंपा एवं थ्रिप्स के नियंत्रण हेतु मेटासिड-50 (0.2%) का छिड़काव करें।

अन्य

- नींबू का रस निकालकर शर्बत बनायें व धुप में रखें।
- आंवला के परिपक्व फलों का मुरब्बा व अचार तैयार करें।

नोट:- 1. स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कार्यो में आवश्यकता अनुसार परिवर्तन कर सकते है।

2. पूर्व माह के लंबित कार्यो को प्राथमिकता से पूर्ण करें।